राजधर्म और भक्ति : महाशिवरात्रि पर बाबा महाकाल के चरणों में मुख्यमंत्री ने सौंपा प्रदेश कल्याण

सीएम मोहन यादव ने की महाकाल भक्ति, विक्रम उत्सव के जरिए मुख्यमंत्री ने जीवंत की उज्जैन की गौरवशाली विरासत, आध्यात्मिक नगरी में व्यापार मेले का शंखनाद

उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंचे। उन्होंने विक्रम व्यापार मेले का इंजीनियरिंग कॉलेज में शुभारंभ किया और बाबा महाकाल के दर्शन किए। इसके पश्चात उन्होंने विक्रम व्यापार मेले का शुभारंभ किया। इस बीच में समय निकालकर सिंहस्थ बाईपास स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे यहां पर समाजसेवी महेश परियानी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सीएम शामिल हुए।

पूरे प्रदेश में विक्रम उत्सव के कार्यक्रम

सीएम ने विक्रम उत्सव के संबंध में कहा कि पहली बार ऐसा हो रहा है कि पूरे प्रदेश में विक्रम उत्सव के कार्यक्रम हो रहे हैं। सम्राट विक्रमादित्य की कीर्ति पूरी दुनिया में तेजी से फैल रही है और हम इसके साक्षी बना रहे हैं।

विक्रम व्यापार मेले की तारीफ करते हुए सीएम ने कहा कि लगभग 139 फोर व्हीलर एवं टू व्हीलर के 40 स्टॉल यहां पर लगाए गए हैं साथ ही यहां पर फूडजोन भी है और परिवार के साथ घूमने फिरने के साथ टू व्हीलर और फोर व्हीलर खरीदने का अपना एक अलग आनंद रहेगा। परिवहन विभाग द्वारा 50त्न की जो छूट दी जा रही है उसका भी लाभ आप सभी को लेना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने व्हीकल फर्म को सम्मानित भी किया। जिन लोगों ने गाड़ियां खरीदी थी उन्हें गाड़ियों की चाबी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भेंट की। विक्रम व्यापार मेले में कुल 223 दुकान है ।

इधर विक्रम उत्सव 2026 का जो शुभारंभ सीएम डॉ. यादव ने किया ऐसे में पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक बड़ा आयोजन किया गया और यहां पर डमरू वादन शिवनाद की प्रस्तुति प्रसिद्ध संगीतकार प्रीतम द्वारा दी गई। इससे पहले कलश यात्रा निकल गई भव्य प्रदर्शनी लगाई गई।

नवभारत से चर्चा में कार्यक्रम के संचालक श्रीराम तिवारी ने बताया कि प्रदर्शनी में सम्राट विक्रमादित्य से लेकर भगवान राम के संबंध में अयोध्या के संबंध में आर्य भारत और महाभारत कालीन अस्त्र-शस्त्र, 84 महादेव जनजाति, देवलोक, श्रीकृष्ण व अन्य विषयों पर चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि व्यापार मेला विक्रम उत्सव और वन मेला उज्जैन वीडियो को लुभा रहा है। खरीदार, डीलर सभी को फायदा हो रहा है और लगातार वाहनों की बिक्री भी प्रत्येक मेले में बढ़ रही है। 2024 में 23705 वाहन बिके थे, 2025 में 36223 वाहन बिके हैं और इस वर्ष भी अनुमान से अधिक टू व्हीलर फोर व्हीलर की बिक्री होगी।

भूत भावन बाबा महाकाल के दर्शन महाशिवरात्रि के अवसर पर करते हुए मुख्यमंत्री ने देश प्रदेश में सुख संपत्ति की कामना की, साथ ही महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर देश-विदेश से जो लाखों श्रद्धालु आए हैं उनका भी अभिनंदन सीएम डॉ. यादव ने किया।

पारदेश्वर महादेव के पूजन-तीसरी बार लगा व्यापार मेला

भगवान पारदेश्वर महादेव के पूजन दर्शन कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देश प्रदेश में सुख समृद्धि की कामना की। पारदेश्वर महादेव के दर्शन करने का विशेष महत्व है। यहीं पर कविता पौडवाल और अर्जुन पांडे की भजन संध्या भी हुई और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यहां पर स्वागत भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीसरी बार विक्रम व्यापार मेला लगने पर शहरवासियों को बधाई दी उन्होंने कहा कि शहर की उन्नति, आर्थिक विकास जिस तेज गति से हो रहा है उसमें बाबा महाकाल का आशीर्वाद है। व्यापार मेले के दौरान सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि करोड़ों की छूट यहां पर आम जनता को मिल रही है। वह आज महाशिवरात्रि पर बाबा महाकाल का प्रसाद है। मैं भी बाबा महाकाल के दर्शन आज महाशिवरात्रि के अवसर पर कर रहा हू। मध्य प्रदेश संस्कृत विभाग विक्रमादित्य शोध पीठ और जिला प्रशासन के माध्यम से पूरा आयोजन आयोजित किया गया। यह महोत्सव आज महाशिवरात्रि 15 फरवरी से 19 मार्च तक चलेगा। जिसमें धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक व्यापार व्यवसाय का एक साथ संगम देखने को मिलेगा।

हाथों हाथ साफ सफाई-नगर निगम ने यह व्यवस्था भी बनाई

महाकाल मंदिर क्षेत्र से लेकर पूरे शहर में 40 स्वास्थ्य दरोगा, 03 हेल्थ ऑफीसर, 03 स्वच्छता निरीक्षकों के द्वारा 24 घंटे की शिफ्ट में सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर सफाई व्यवस्था की गई। इसी के साथ निगम आयुक्त के निर्देश अनुसार अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सफाई व्यवस्था एवं अन्य कार्यों पर भी सतत रूप से मॉनिटरिंग का कार्य किया। महाशिवरात्रि पर्व व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा संपूर्ण मंदिर परिक्षेत्र एवं जहां से श्रद्धालु कतार में लगे, वहां पर नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम), विशेष सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, निरंतर अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, पानी के टैंकर की व्यवस्था, पानी की वाटर कैन, चलित शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नियंत्रण कक्ष पर अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा शिफ्ट अनुसार 24 घंटे की ड्यूटी लगाई गई। शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों पर भी निगम द्वारा अपनी व्यवस्थाएं की गई।

आत्महत्या के लिए ऑनलाइन मंगवाई थी सल्फास

पत्नी को कॉल कर बोला मर रहा हूं, पुत्र अस्पताल लेकर पहुंचा

उज्जैन। ड्रायवरी करने वाले युवक ने ऑनलाइन सल्फास की गोली मंगवाई और पत्नी को वीडियो कॉल कर खा ली। पत्नी और बेटा घर पहुंचे और उसे अस्पताल लाया गया जहां कुछ घंटे चले उपचार के बाद मौत हो गई। मृतक कुछ साल पहले दुर्घटना में घायल हो गया था। इसके बाद उसे लकवा भी लग गया था। वह चलने फिरने में असमर्थ हो चुका था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के बजरंग नगर में रहने वाला जितेन्द्र पिता प्रेमनारायण कुशवाह 42 वर्ष ड्रायवरी करता था। कुछ साल पहले हुई दुर्घटना के बाद उसे लकवा हो गया था। जिसके चलते वह काम नहीं कर पा रहा था। पत्नी माया और बेटा यश काम कर घर का खर्च चला रहे थे। बीती शाम जितेन्द्र ने अपनी पत्नी को वीडियो कॉल किया और कहा कि मर रहा हूं। लेकिन पत्नी ने पूर्व में भी कही गई इसी तरह की बात को देखते हुए वीडियो कॉल पर कही गई बात को नजरअंदाज कर दिया। देर शाम पत्नी और बेटा घर लौटे तो जितेन्द्र बेसुध हालत में पड़ा दिखाई दिया। उसे अस्पताल लाया गया जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान छोटे भाई राम ने बताया कि घटनाक्रम के बाद जितेन्द्र का मोबाइल देखा गया। इस दौरान सामने आया कि उसने ऑनलाइन सल्फास मंगवाई थी। वह दो बार ऑनलाइन ऑर्डर कर चुका था। 12 दिन पहले ही सल्फास की डिलेवरी हुई थी। घर से सल्फास का पाउच भी मिला है। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर आज सुबह पोस्टमार्टम करवाया है।

मादक पदार्थ के साथ पकड़ाए युवक रिमांड पर

उज्जैन। बुलेट पर सवार दो युवकों के पास मादक पदार्थ होने की खबर मिलते ही पुलिस द्वारा घेराबंदी की गई। दोनों को हिरासत में लिया गया तो 46 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। खाचरौद थाने के एसआई रामचंद्र दलोदिया ने बताया कि मादक पदार्थ के साथ पकड़ाए युवक अमान शेख निवासी बंजारा कॉलोनी नामली रतलाम और चांद खां कुरैशी निवासी सुभाषनगर रतलाम हैं। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस का प्रकरण दर्ज कर रिमांड पर लिया गया है। उनके पास से बरामद ड्रग्स 4 लाख 60 हजार रुपए की होना सामने आई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि वह ड्रग्स की डिलेवरी देने के लिए खाचरौद आए थे। एसआई दलोदिया के अनुसार रिमांड अवधि में दोनों से इस बात का पता लगाया जा रहा है कि वह मादक पदार्थ कहां से लेकर आए थे और खाचरौद में किसे देने वाले थे। दोनों का आपराधिक रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है। फिलहाल पूछताछ में दोनों बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं। संभावना है कि मादक पदार्थ से जुड़े कुछ और लोगों की जानकारी सामने आ सकती है। जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जाएंगे।

नानाखेड़ा पर मृत मिले युवक की शिनाख्त

उज्जैन। नानाखेड़ा क्षेत्र से बीती शाम एक व्यक्ति को बीमार हालत में एम्बुलेंस चालक द्वारा चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां कुछ देर बार उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पहचान के प्रयास शुरू किए। रविवार सुबह दानीगेट पर रहने वाले भाई द्वारकादास ने मृतक की पहचान संजय पिता लक्ष्मीनारायण के रूप में की। भाई ने बताया कि संजय दिव्यांग था। वह नानाखेड़ा क्षेत्र की ही होटल में काम करता था और वहीं पर रहता था। 8-10 दिन में एक बार घर आता था। नानाखेड़ा पुलिस द्वारा पहचान होने पर आज सुबह दिव्यांग मृतक का पोस्टमार्टम कराया। परिजन शव अंतिम संस्कार के लिए ले गए हैं।

हर्षिता रॉय ने जीता गोल्ड, पंजाब को हराया

उज्जैन। बास्केटबॉल खिलाड़ी हर्षिता रॉय (मोना) ने राष्ट्रीय स्तर पर शहर का मान बढ़ाया है। बेंगलुरु में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बास्केटबॉल स्पर्धा में हर्षिता ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। बास्केटबॉल प्रशिक्षक दर्शन ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उज्जैन के बास्केटबॉल इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि है। हर्षिता ने स्पर्धा में उज्जैन विश्वविद्यालय की महिला टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में उनकी टीम ने कड़े संघर्ष के बाद पंजाब विश्वविद्यालय की सशक्त टीम को पराजित कर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। हर्षिता शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय के बास्केटबॉल ग्राउंड पर नियमित अभ्यास करती हैं। हर्षिता की इस स्वर्णिम सफलता पर शा. कालिदास कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता, डॉ. महेंद्र जैन, डॉ. वीरेंद्र चांवरे, विजय बाली, सुनीता यादव, ओम सारवान, मुस्कान शर्मा, भूपेंद्र शुक्ला, जुबेर खान व पायल जायसवाल सहित खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

बच्चा चोरी की आशंका में पकड़ाई महिला निकली विक्षिप्त

मामला धन्नालाल की चाल में शनिवार शाम का

मौके पर पहुंची पुलिस ने किया मामला शांत

उज्जैन। धन्नालाल की चाल में शनिवार शाम लोगों ने बच्चा चोरी की आशंका में एक महिला को पकड़ लिया। हंगामा मचते ही पुलिस पहुंची। महिला विक्षिप्त होना सामने आई। जिसे जांच-पड़ताल के बाद छोड़ दिया गया।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि शाम को धन्नालाल की चाल में शिव बारात निकाली जा रही थी। कुछ लोगों द्वारा एक महिला को पकड़ लिया गया और बच्चा चोरी का आरोप लगाने लगे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची, लेकिन लोगों महिला को थाने ले आये थे। लोगों का कहना था कि महिला के साथ कुछ और लोग थे, जो भाग निकले। पुलिस ने जांच शुरू की और महिला से पूछताछ शुरू की। महिला विक्षिप्त होना सामने आई। वह अपनी उम्र कभी 10 साल तो कभी 30 साल बताने लगी। पुलिस ने महिला के संबंध में जानकारी जुटाई तो सामने आया कि चामुंडा माता मंदिर चौराहा के फुटपाथ पर रहती है और मंदिर समिति की ओर से मिलने वाले भोजन करती है। उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं है। महिला के बच्चा चोर होने की पुष्टि नहीं होने पर पुलिस द्वारा उसे छोड़ दिया गया। इससे पहले तपोभूमि के पास शुक्रवार को कुछ लोगों ने कार में सवार 2 लोगों को बच्चा चोरी का आरोप लगाकर पकड़ लिया था। जिनके साथ मारपीट की गई। पुलिस जांच में पता चला था कि दोनों व्यक्तियों में एक लालसिंह पिता मानसिंह और दूसरा शीष पिता अनिल नामदेव है। लालसिंह होटल मेघदूत में ड्रायवरी करता है और शीष होटल का इलेक्ट्रिशीयन है। दोनों कार से मजदूर लेने के लिये तपोभूमि की ओर गये थे। बाइक सवार 2 लोगों से टक्कर होने पर उन्हे बच्चा चोर समझ पकड़ लिया गया था।

11 क्विंटल फरियाली खिचड़ी की वितरित

उज्जैन। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के बाहर वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के सहयोग से समस्त रेल परिवार द्वारा 11 क्विंटल फरियाली खिचड़ी का सेवा भाव से वितरण किया गया। सागर उदगीर ने जानकारी देते हुए बताया कि बाबा महाकाल की बारात में शामिल होने के लिए देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे हैं। ऐसे श्रद्धालुओं का रेलवे स्टेशन पर स्वागत करते हुए उन्हें फलाहारी प्रसाद के रूप में फरियाली खिचड़ी वितरित की गई। महाशिवरात्रि के दिन अधिकांश श्रद्धालु उपवास रखते हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए फलाहारी प्रसाद का वितरण किया गया। उज्जैन आए श्रद्धालुओं को भक्तिमय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में यह प्रसाद प्रदान किया गया। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों ने पूरी श्रद्धा के साथ फरियाली खिचड़ी ग्रहण की। रेल परिवार के समस्त सदस्यों द्वारा प्रात: 10 बजे से सायं 6 बजे तक लगातार प्रसाद वितरण किया गया।

नीलम वार्ड स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

उज्जैन। संस्था लक्ष्य द्वारा आयोजित नि:शुल्क नीलम ट्रॉफी वार्ड स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन बेहद रोमांचक रहा। फाइनल मुकाबले में वार्ड 20 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वार्ड 13 को 5 विकेट से पराजित कर खिताबी जीत हासिल की। वार्ड 20 की टीम एक बार फिर इस टूर्नामेंट की चैंपियन बनी है। फाइनल की विजेता टीम को 33,000 रुपये और उपविजेता टीम को 5,000 रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अनिमेष को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया और उन्हें उपहार स्वरूप स्पोर्ट साइकिल प्रदान की गई। इसके अलावा खिलाड़ियों को कई अन्य उपहार भी दिए गए। पूरे टूर्नामेंट के प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सर सय्यद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल की ओर से दिया गया, जिनके प्रतिनिधि के रूप में इकबाल उस्मानी ने उपस्थित होकर उपहार वितरित किए।

टूर्नामेंट के समापन समारोह में विधायक महेश परमार शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, पूर्व सांसद सत्यनारायण पवार, नेता प्रतिपक्ष रवि राय, सैयद आबिद अली मीर, माया राजेश त्रिवेदी, मंसूर अली पटेल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कमल टेटवाल, सुभाष परमार, बालकृष्ण मालवीय और रईस मंसूरी ने किया। फाइनल मैच में अंपायरिंग की भूमिका मुकेश बडोनिया और अमीन खान ने निभाई। जबकि शफी खान ने मैच का आंखों देखा हाल सुनाया। संचालन असलम लाला ने किया और आभार आसिफ खान ने माना। जानकारी सोहेल कुरैशी और सैयद आशिक अली ने दी।

राष्ट्रीय दिव्यांग चैलेंजर ट्राफी : मध्य प्रदेश बना चैंपियन, जम्मू-कश्मीर को हराया

उज्जैन। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांग चैलेंजर ट्रॉफी-2026 में मध्य प्रदेश की टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उज्जैन के माखन सिंह राजपूत की कुशल कप्तानी में मध्य प्रदेश ने फाइनल मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को 2 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। ऊर्जा स्टेडियम पटना में डे-नाइट प्रारूप में खेले गए फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर ने निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट पर 200 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 201 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम ने दबाव के बावजूद संयम नहीं खोया। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब मध्य प्रदेश के बल्लेबाज संजय साकेत और लकी कडारिया ने मैदान पर चौके-छक्कों की बरसात कर दी। दोनों ने मात्र 44 गेंदों में 116 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी कर हारी हुई बाजी को जीत में बदल दिया। लकी ने 20 गेंदों पर 67 रन और संजय ने 25 गेंदों पर 48 रन बनाए। टीम ने 18 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

खिलाड़ियों पर बरसे पुरस्कार

130 रन और 9 विकेट लेने वाले अंकित सिंह बघेल को मैन ऑफ द सीरीज, मैन ऑफ द मैच (फाइनल) लकी कडारिया, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर वेदांत गुप्ता तथा सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार संजय साकेत ने प्राप्त किया। टीम के कोच अंकित रॉकी शर्मा और कप्तान माखन सिंह राजपूत ने इसे सामूहिक प्रयास की जीत बताया। उज्जैन के कप्तान की इस उपलब्धि पर शहर के खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

दशहरा मैदान पर... श्री महाकाल वन मेला में प्राचीन जीवाश्म की सामग्रियां देखने पहुंच रहे लोग

अकल्पनीय 650 लाख वर्ष पुराने डायनासोर के अंडे और जांघ की हड्डी रही आकर्षण का केंद्र

नवभारत न्यूज

उज्जैन। दशहरा मैदान पर आयोजित वन विभाग के श्री महाकाल वन मेले में लगे वन मंडल धार के डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान के एक स्टॉल पर लगभग 650 लाख वर्ष पुराने डायनासोर के अण्डे और जांघ की हड्डी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

श्री महाकाल वन मेले में मध्य प्रदेश के धार जिले के बाग़ और कुक्षी क्षेत्र के लगभग 650 लाख वर्ष पुराने (मास्ट्रिशिएन युग) में टाइटेनोसोरस के जीवाश्म अंडे और जांघ की हड्डी को देखने के लिए लोगों की उत्सुकता बनी हुई है।

विशेषज्ञों ने इन गोल पत्थरों की जांच के बाद पुष्टि की कि ये करोड़ों

साल पुराने डायनासोर के अंडे हैं, जो मुख्य रूप से टाइटेनोसोरस प्रजाति के हैं। यह लमेटा सैंडस्टोन चट्टान से निर्मित है। अधिकांशत: यह धार जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में पाए जाते है। स्टॉल पर डायनासोर की जांघ की ऊपरी हड्डी का 1/3 भाग भी प्रदर्शित किया गया है। इसकी प्राचीनता 890 लाख से 1000 लाख वर्ष पूर्व (ट्युरोनियन से सेनोमेनियन काल) बताई गई है। यह निमाड़ सैंडस्टोन चट्टान से निर्मित है। अधिकांशत: यह धार जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में पाए जाते है।

शार्क के जीवाश्म दांतभी आकर्षित कर रहे

श्री महाकाल वन मेले में लगे स्टॉल पर शार्क के जीवाश्म दांत भी प्रदर्शित किए गए है जिसकी प्राचीनता 7400 लाख वर्ष पूर्व (कैम्पेनियन काल) मानी जाती है। यह ग्लूकोनॉयडिग सैंडस्टोन चट्टान से निर्मित होकर दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में प्राप्त होता है। यह जीवाश्म लगभग 860 लाख से 890 लाख वर्ष पूर्व (ट्युरोनियन काल) माना जाता है। यह बाग ग्रुप ऑफ लाइमस्टोन चट्टान से निर्मित होकर मध्य दक्षिणी धार में प्राप्त होता है। इसी तरह हैमिएस्टर समुद्री जीव के जीवाश्म भी मार्ल डीसी स्टोन में प्राप्त होते है। यह जीवाश्म लगभग 600लाख वर्ष पूर्व (मास्ट्रिशिएन काल) का माना जाता है। यह इन्टर ट्रेपियन लाइमस्टोन चट्टान से निर्मित होकर धार के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में प्राप्त होता है। यह जीवाश्म लगभग 740 लाख से 650 लाख वर्ष पूर्व(मास्टिशिएन युग) का बताया जाता है। यह जीवाश्म सूप्राबाग रेड सैंडस्टोन में मध्य-दक्षिणी धार में प्राप्त होता है।

मां गढ़कालिका के दरबार में लगा 56 भोग, श्रद्धालुओं ने ग्रहण की महाप्रसादी

उज्जैन। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शहर के प्राचीन शक्तिपीठ माँ गढ़कालिका मंदिर में भक्तिमय वातावरण के बीच भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर माता को 56 भोग अर्पित किया गया। आयोजन मुख्य रूप से मंदिर के पूर्व गादीपति स्व. महंत दीपकनाथ जी की स्मृति और परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उनकी धर्मपत्नी व मंदिर की मुख्य पुजारी टीनानाथ जी एवं उनके सुपुत्र वर्तमान गादीपति आदित्यनाथ द्वारा रखा गया था। गादीपति आदित्यनाथ जी ने विधि-विधान से माता का पूजन-अर्चन कर 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया। इस दौरान मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। भोग आरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर दर्शन किए और महाप्रसादी का लाभ लिया।